33. 4,29, 75. Mark. P. 48, 7. Schol. bei Wilson, Samkbak. p. 42. Schol. zu Kap. 1,125. - 3) empfinden, fühlen: पंस्क्रीकिलै: - उपातकर्षे: Rt. 6,21. अनुक्रम्पाम्पादाप Bunn. Lot. de la b. l. 389. auffassen, betrachten: एवं विदन्पादतस्व भावं पश्यस्व लीकिकम् MBB. 12,427. — 6) hinzunehmen, einschliessen, einrechnen; उपादाय mit Einschluss von: श्रपि प्रे-ष्यान्पादाय सर्वे स्म सुमुखेाषिताः R. 2,92,6. चकार न प्रा कांश्चन कर्ता करिष्यति । उपादाय सुरानुसेन्द्रानिद्मन्यत्र राघवात् ॥ ५,९५,३२. Выर्रे . Р. 3,14,17. नासिकामन् वर्णा या निष्पचते स्वकीयस्थानम्पादाय zugleich mit Schol. zu R.V. Pair. 1,3,14. म्रत्र तैलशब्द स्तिलभवस्नेक्द्रपं म्ख्यार्थ-मुपादाय सार्षपादिस्रे केष् वर्तते ausser San. D. 14, 6. - 7) in Anwendung bringen, brauchen: प्राकृतात्प्रयत्नात्प्रयत्नविशेष उपादीयमाने Pat. 20 P. 8,2,84. यत्परस्य क्त्सार्थम्पादीयते Par. zu P. 5,3,95. Bala. P. 2,5,21. 33. Schol. zu Kîts. Çs. p. 67, 8. 75, 6. fgg. 76, 7. fgg. दिट्यान्शन्धान्पादाय वाय्याधानसेवत mit Hülfe von MBs. 4, 1775. इन्धनम्पादायाग्रिभवति vermittelst Buan. Lot. de la b. l. 389. चक्रादीन्य्पादाय र्घाङ्गानि र्घं (sic) प्रज्ञायत ebend. Sch. zu P. 6,2,95 (?). — 8) an Etwas gehen, sich an Etwas machen, beginnen: एकार्त्र सम्पागम्य ततः शेषम्पाद्दे R. Gona. 2, 86,31. उपात्तवज्ञ HARIV. 11121. उपात्तवर्षे चरिते पिनाकिनः Kuminas. 5, 56. मार्गम् einen Weg einschlagen R. 2,17,5. Mit einem inf. anheben: वाक्यमिदं वक्तम्पाददे 5,81,32. — 9) erwähnen, aufführen: इत्येतेषा प्-र्वसूत्रीपातानाम् P. 8,3,71, Sch. 5,4,90, Sch. Siddi. K. zu P. 2,4,32. — Vgl. उपादान, उपादेय. — caus. anwenden —, brauchen heissen: प्रधानमेवा-वश्यकताद्भवात्। प्याति Schol. zu Kati. Ça. p. 67, 10. — des. zu erlangen suchen: मुवर्णमुपादित्सति Baig. P. 5,14,7.

- ऋभ्युपा aw/lesen: फलानि पातपामास ऋभ्युपाद्गय विस्नव्धा भद्ध-यामास MBH. 12, 672.
- समुपा 1) viell. (als act.) übergeben: ज्वलनं समुपादाप ब्राह्मणोनं म-क्रात्मना। क्राव्यामास R. 2,25,25. 2) med. a) erwerben, erlangen: पः पित्रा समुपात्तानि धनवीर्यवशांसि वै। न्यूनतां नयति Mibb. P. 21,95. र्वाणं समुपात्तानाम् MBb. 2,1940. b) entziehen, rauben: तेवांसि समुपाद्ते MBb. 3,11876. c) zusammenscharren: रृत्युक्ताः समुपाञक्रुर्धनशेषमशेषतः। रामाज्ञया धनाध्यताः समुपादाय सर्वशः ॥ R. Gobb. 2,32,35. d) anthun, außetzen: मालां च समुपादाय MBb. 1,6974.
- पर्या med. 1) sich aneignen, lernen: प्रज्ञां पर्याद्दीत MBH. 12,3256.

   2) in seine Gewalt bringen, Jmd (abl.) Etwas (acc.) abnehmen: ऋदं दस्युभ्यः पर्रि नुम्पामा देदे ह्र. 10,48,2. यहै नो उपमर्ध न पर्याद्दीत Çat.

  Ba. 11,4,1,2. परि वे नो उपमार्लिड्यमाद्त SHADV. BB. 1,4. 3) abnehmen, abschöpfen: यत्तैलमृत्तिष्ठेतत्पाधिभ्यां पर्यादाय Suça. 2,36,2. 4) ergreisen, sassen: पर्याद्दानं चास्त्राणि MBH. 5,1940.
- प्रा geben, übergeben: प्रारातुं तच्च शक्रस्तु कालं चक्रे MBn.1,8469. बातमात्रान्युत्रांश्च रारांश्च भवतामिक् । प्रारायापिनिधं राजा पाएउः स्वर्ग-मिता गतः ॥ 4899.
- प्रत्या med. 1) wiederempfangen, erhalten: प्रभाष्मभं कर्म कृतं य-दन्यतदेव प्रत्याददते स्वेदेके MBB. 12,7415. — 2) zurücknehmen so v. a. widerrufen: न चाकं शक्त: शापं प्रत्यादातुम् MBB. 1,785. — 3) hervorziehen aus: वेदान् — रसातलाख: — प्रत्याददे BBAG. P. 5,18,6. — 4) wiederholen: उत्तमं पादं प्रत्यादाय ÇâñkB. Ça. 7,25,6. RV. PBAT. 10,1. 8. — Statt प्रत्यादाय AV. 10,1,27 ist wohl प्रत्यादाय zu lesen. — Vgl. प्र-

त्यारानः

- ट्या act. auseinanderthun, aufsperren, öffnen (den Mund): मुखं ट्याद्राति P. 1,3,20, Sch. Vop. 23,2. ट्याद्रापास्पम् Habiv. 16003. Mit Auslassung von मुख u.s. w. dass. Khând. Up. 1,2,9. ट्याद्रापास्पम् mode: स्विपिति P. 3,4,21, Vårtt. मृत्वतः Buås. P. 3,16,14. med. ट्याद्रात MBB. 3,11502. partic. ट्यात्त und ट्याद्ति geöffnet: ट्यात्तास्प MBB. 3,2420. ट्यात्तान्त BBAG. 11,24. R. 3,7,8. ट्याद्तिस्प MBB. 2,946. 3,11115. 6,5326. 5448. 13,7317. Habiv. 16005. fg. ट्यात्तास्प MBB. 2,946. 3,11115. Rachen: (म्रिक्:) ट्यात्तं न सं पंमत् AV. 6,56,1. 10,4,8. 5,42. VS. 31,22. ÇAT. BB. 1,6,4,18. 2,2,4,4. 3,6,8,20. 10,6,4,1. 14,9,1,15. Nach dem Schol. zu P. 1,3,20 in der Bed. auseinanderthun, ausweiten, öffnen auch in anderer Verb. als mit Mund: नदीकूलं ट्याद्दाति, विपादिका (= पार्स्पारं Sidd. K.) ट्यां, nach Sidd. K. 163,6,4 med. in der Bed. den Mund eines Andern (!) öffnen: ट्याद्दित पिपोलिका: पतारास्य मृखम्.
  - ऋपट्या öffnen: ऋपट्यारायाष्ट्री ÇAT. Ba. 11,4,2,10.
- श्रभिच्या gegen Jmd (acc.) den Rachen aufsperren: तं ज्ञातमभिच्या-द्दात् Çat. Ba. 10,6,5,4. Кâтв. 37, 14 in Ind. St. 3,466. — Vgl. श्रभि-च्यादान.
- समा 1) act. geben, schenken: पालानि चान्यानि समाददन्मे MBn. 3. 10063. भूमिदानं ममादयाद्वालाणाय Harry. 16367. wiedergeben: त्रिविष्ट-पं मक्निहाय पद्मभागान्समाद्द्य: Bullg. P. 9, 17, 15. — 2) med. a) zusammensassen, mit einander nehmen, mit sich nehmen: समादाय Çat. Br. 3,6,3,10. 14,3,1,1. शिष्रा रंत सं रमे: RV. 1,115,3. यथा मकासमधान-मेष्यत्रयं वा नावं वा समार्ट्ीत ÇAT. BR. 14,6,11,1. सर्वमेनं समार्गेय्रिमिर् प्र वैशयेत् Av. 9,5,23. स्रियिक्शेत्रं समादाय गृक्यं चाग्निपिरिच्क्दम् । गृक्ताद-र्णयं निःसृत्य निवसेन्नियतेन्द्रियः ॥ М. ६,४. तते। देवाः सगन्धर्वाः समादा-यार्ध्यमृतमम् । शक्रस्य मतमाज्ञाय पार्थमानुच्रिज्ञमा ॥ Імпа. ३, 1. गच्छाश्चे तं समादाय पुनर्व यथागतम् R. 1,42,22. R. GORB. 1,10,30. 3,47,4. VIKR. 11, 18. Pankat. 96, 14. Kathas. 18, 45. Bhatt. 5, 95. — b) fortnehmen, wegnehmen, herausziehen, entziehen: पिएडिभ्यस्वित्त्विज्ञा मात्रा समादाय M. 3,219. मक्तानसाच्कृतं मांसं समादायिक् N. 23, 18. विलादावं समादाय MBu. 1,8390. राज्ञश्च तथैव नीले वस्त्रे समाइतस्व 4,2117. नुनमेतत्समादा-तुं पुनिरिच्कृत्यधोत्तज्ञः । यदस्य शिश्रपालस्य तेजस्तिष्ठति ॥ २,1428. — ७) ergreisen, fassen, packen: शस्त्राणि दिव्यानि समाददाना: MBn. 4,2111. 6,5595. 8,814. HARIV. 9418. R. 3,32,5. DEV. 9,31. त्यान्ष्टिं समादाय МВн. 3, 2933. यखटक्**म्नं** समाद्ब्यात् (act.) Внас. Р. 8,10,43. मतस्या मतस्य समाद्त्रे ज्ञातिज्ञातिम् Kim. Nirus. 8, 68. तान्सर्वानाकृवे ऋज्ञान्सान्बन्धान्स-मागतान् । म्रक्नमेकः समादास्ये तिमिर्मतस्यानिवादकात् ॥ мви. 5, 2280. zusammenlesen: जलजानि — समाद्दे 3,11895. समादत्त ergriffen, gepackt Haniv. 12098. स्कन्धेः समादाय कुमारान् auf die Schultern nehmen 11200. — d) an Etwas gehen. sich an Etwas machen: समाददान: प्या-स्त्रमार्गान्ययाग्निरिद्धा गङ्नं निदाचे Miss. 5, 1913. वाकाम् eine Rede beginnen 26. — e) zu Herzen nehmen, beherzigen: सा तद्रर्त्: समादाय वचः Bule. P. 3,23,24. — Vgl. समादान, समादेय.
- उद्द herausnehmen, entreissen: उद्दाय मृधे स्विर्क्यं परात्सुपर्णा-विव विज्ञवक्कात् Вийс. Р. 3,1,39.
- उप 1) hinzuthun, verleihen, geben: इन्द्रो पञ्च ने पृषाते चे शित्तत्यु-पेददाति न स्वं मुंबायति p.v. 6,28,2.पुरा तु उपेन्द्री वीर्य देदा Av. 19,34,